



स्वराज द्वीप दौरे के दौरान सामाजिक संस्थाओं, प्रबुद्ध नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने माननीय उप राज्यपाल से की भेंट

स्वराज द्वीप के काला पत्थर समुद्र तट का माननीय उप राज्यपाल ने किया निरीक्षण समुद्र तट की स्वच्छता, प्राकृतिक सौंदर्य एवं पर्यटन सुविधाओं के विस्तार पर दिया विशेष बल



स्वराज द्वीप, 10 अक्टूबर। स्वराज द्वीप के अपने प्रवास के दौरान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों तथा जनप्रतिनिधियों ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने द्वीपवासियों की विभिन्न जनसमस्याओं से माननीय उप राज्यपाल महोदय को अवगत कराया तथा उनके समाधान के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिनिधिमंडलों एवं नागरिकों ने स्वराज द्वीप में विकास कार्यों को गति देने, जनसुविधाओं को सुदृढ़

करने तथा स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस भेंट के माध्यम से स्थानीय जनमानस की अपेक्षाओं, आवश्यकताओं और विकास संबंधी प्राथमिकताओं को सामने रखने का अवसर मिला। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के स्वराज द्वीप के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने अपने कार्यक्रम का शुभारंभ काला पत्थर समुद्र तट के भ्रमण एवं निरीक्षण से किया। इस अवसर पर माननीय उप राज्यपाल ने समुद्र तट

की प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छता तथा वहाँ उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह एवं अधिकारियों के साथ स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए समुद्र तट को स्वच्छ, सुंदर और पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाए रखने का संदेश दिया। माननीय उप राज्यपाल ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि काला पत्थर समुद्र तट पर पर्यटकों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समुद्र तट पर पाँच सौ रऊर्जा

चालित प्रकाश स्तंभों की स्थापना, सुव्यवस्थित वाहन खड़ी करने की व्यवस्था तथा दो पर्यावरण-अनुकूल विश्राम कुटियों के निर्माण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि द्वीपसमूह के प्राकृतिक सौंदर्य एवं पर्यावरणीय संतुलन को अक्षुण्ण रखते हुए पर्यटन स्थलों का विकास किया जाना चाहिए, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को भी प्रोत्साहित किया जा सके।

नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ माननीय उप राज्यपाल ने मोटरसाइकिल रैली को दिखाई हरी झंडी

अण्डमान के 12 युवा बाइक सवार चेन्नई से लगभग 1,800 किलोमीटर की यात्रा कर एकता नगर पहुँचेंगे, मार्ग में नशामुक्ति का देंगे संदेश



श्री विजय पुरम, 10 अक्टूबर। राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रतीक लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रेरणादायी विरासत से प्रेरणा लेते हुए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने आज श्री विजय पुरम स्थित ऐतिहासिक सेल्यूलर जेल के समक्ष 'नशामुक्त भारत' के संकल्प के साथ आयोजित मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पहल का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा समाज में नशामुक्ति का

सशक्त संदेश प्रसारित करना है। इस अभियान के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के 12 युवा मोटरसाइकिल सवार चेन्नई से लगभग 1,800 किलोमीटर की यात्रा कर गुजरात के एकता नगर पहुँचेंगे। यात्रा के दौरान वे विभिन्न स्थानों पर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण के प्रति जागरूक करेंगे। यह पहल युवाओं की ऊर्जा, साहस और सामाजिक उत्तरदायित्व को राष्ट्रहित में समर्पित करने का प्रेरणादायी प्रयास है।

इस अवसर पर माननीय उप राज्यपाल ने नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार पर प्रभावी अंकुश लगाने की आवश्यकता पर बल देते हुए पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि नशे के कारोबार में संलग्न व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नशीले पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह ध्वस्त करने तथा नशीले पदार्थों की मांग में कमी लाने के उद्देश्य से एक प्रभावी एवं समर्पित कार्ययोजना तैयार कर उसके क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। माननीय उप राज्यपाल ने युवाओं से विशेष अपील की कि

वे नशे से दूर रहें, अपनी ऊर्जा को सकारात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों में लगाएँ तथा खेलकूद और अन्य स्वस्थ गतिविधियों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएँ। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और एक स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय जी एवं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पुलिस महानिदेशक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पितृ मोक्ष अमावस्या पर सामूहिक श्राद्ध, तर्पण एवं पिंडदान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए माननीय उप राज्यपाल

श्री विजय पुरम, 10 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा आज पितृ मोक्ष अमावस्या के पावन अवसर पर जंगलीघाट, श्री विजय पुरम स्थित खेतान कल्याण मंडप में गायत्री परिवार द्वारा आयोजित सामूहिक श्राद्ध, तर्पण एवं पिंडदान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करते हुए भारतीय सनातन परंपरा में निहित पूर्वजों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता के भाव को स्मरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय उप राज्यपाल ने



प्रदर्शनी मैदान में डांडिया महोत्सव आज



अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का कला एवं संस्कृति विभाग नवरात्रि के शुभारंभ के अवसर पर रविवार, 11 अक्टूबर, 2026 को शाम 5.30 बजे से रात 8 बजे तक श्री विजय पुरम के प्रदर्शनी मैदान में भव्य डांडिया महोत्सव का आयोजन कर रहा है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा इस महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस महोत्सव का उद्देश्य डांडिया के जीवंत एवं रंग-बिरंगे लोकनृत्य के माध्यम से नवरात्रि से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और उत्सवी उमंग का उत्सव मनाना है। इस आयोजन

मध्योत्तर अण्डमान के उपायुक्त ने किया बाराटांग द्वीप का दौरा



बाराटांग, 9 अक्टूबर। जिला प्रशासन की जनसंपर्क पहल 'संपर्क से समाधान -प्रशासन गाँव की ओर' के अंतर्गत उत्तर व मध्य अण्डमान जिले के उपायुक्त श्री सुशांत पद्मा, भा.प्र.से., ने 9 अक्टूबर, 2026 से बाराटांग द्वीप का दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उनके साथ उत्तर व मध्य अण्डमान जिला परिषद के अध्यक्ष श्री आर. अलगर स्वामी, रंगत के सहायक आयुक्त श्री दीपांशु वोहरा, दानिक्स तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करना, जनसुविधाओं की उपलब्धता एवं स्थिति का आकलन करना तथा स्थानीय निवासियों की समस्याओं और

पितृ मोक्ष अमावस्या पर सामूहिक श्राद्ध, तर्पण

—पृष्ठ 1 का शेष

श्राद्ध, तर्पण एवं पिंडदान के धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पितृ पक्ष भारतीय सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है, जो हमें अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। यह परंपरा हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ—साथ पारिवारिक मूल्यों एवं नैतिक दायित्वों के प्रति भी जागरूक करती है। परिवार के महत्व पर बल देते हुए माननीय उप राज्यपाल ने भारतीय संस्कृति की समाज के प्रति समर्पण की भावना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति हमें दूसरों के सुख में अपना सुख देखने, परस्पर सहयोग करने

प्रदर्शनी मैदान में डांडिया महोत्सव

से विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों के लोगों को एक साथ आने, उत्सव में भाग लेने तथा भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत की खुशियों का अनुभव करने का अवसर मिलने की उम्मीद है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस उत्सव में उत्त्लासपूर्ण वातावरण रहेगा, जहाँ प्रतिभागियों को डांडिया की पारंपरिक धुनों का आनंद लेने तथा एकता, सद्भाव और आपसी मेलजोल की भावना के साथ उत्सव मनाने का अवसर मिलेगा। आयोजन स्थल पर खाद्य पदार्थों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जहाँ

मध्योत्तर अण्डमान के उपायुक्त ने किया बाराटांग

—पृष्ठ 1 का शेष

शिकायतों को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित करना था।

दौरे के दौरान बाराटांग फॉरेस्ट क्लब में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के प्रमुखों, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के अधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में शिविर न्यायालय—सह–जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त ने जनसुनवाई के दौरान स्थानीय लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं को सुना तथा राजस्व संबंधी मामलों की समीक्षा की। उन्होंने निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप इन मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।

उपायुक्त ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति का जायज़ा लिया, आधारभूत सुविधाओं से संबंधित कमियों की पहचान की तथा स्थानीय आबादी की आवश्यकताओं का आकलन किया। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों तथा ठेकेदारों के साथ बैठक एवं संवाद कर प्रगतिरत परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही, कार्यान्वयन के दौरान सामने आ रही समस्याओं पर चर्चा करते हुए संबंधित पक्षों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते

मरीना पार्क में शुरू हुए दो दिवसीय एसएचजी मेले में उमड़ी सैकड़ों लोगों की भीड़

श्री विजय पुरम, 10 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ग्रामीण आजीविका मिशन (एएनआईआरएलएम) द्वारा आज से यहां के मरीना पार्क में दो दिवसीय एसएचजी मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले के पहले दिन विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों द्वारा लगभग 50 स्टॉल लगाए गए, जिनमें स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए विविध प्रकार के हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित उत्पाद, खाद्य उत्पाद, नारियल आधारित उत्पाद, लजीज पकवान, पेय पदार्थ, जूट व कोंयर के उत्पाद, शुद्ध नारियल तेल जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद तथा स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई। नगर के कोने–कोने से बड़ी तादाद में लोगों ने मेले में इन वस्तुओं की खरीददारी की। अधिकतर लोग स्वसहायता समूहों द्वारा तैयार व्यंजनों का स्वाद लेते देखे गए।

ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था शहरी स्थानीय निकाय के अंतर्गत एएनआईआरएलएम द्वारा भारत वर्ष के प्रमुख त्योहारों से पहले ऐसे मेले का आयोजन किया जाता है, जिसके माध्यम से स्वसहायता समूहों को अपने उत्पादों के विपणन के

तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति के प्रति संवेदनशील एवं सहृदय बने रहने की शिक्षा देती है। उन्होंने पारिवारिक संस्कारों, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कार्यक्रम में गायत्री परिवार के सदस्यों, श्रद्धालुओं, प्रबुद्ध नागरिकों तथा स्थानीय निवासियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक श्राद्ध, तर्पण एवं पिंडदान के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने अपने पूर्वजों का स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धा एवं सम्मान अर्पित किया।

—पृष्ठ 1 का शेष

आगंतुकों को विभिन्न प्रकार के जलपान उपलब्ध होंगे, जिससे उत्सव का आनंद और बढ़ेगा। डांडिया महोत्सव का आयोजन सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा भारत की विविध परंपराओं और त्योहारों के उत्सव में आम जनता की अधिकाधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कला एवं संस्कृति विभाग ने आम जनता से डांडिया महोत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा इस आयोजन को यादगार एवं भव्य रूप से सफल बनाने में योगदान देने की अपील की है।

—पृष्ठ 1 का शेष

हुए सभी कार्य समय पर पूरे किए जा सकें।

इस दौरे के माध्यम से स्थानीय निवासियों एवं पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर ग्राम स्तर पर विकास की प्राथमिकताओं को समझने, आवश्यक जनसुविधाओं की उपलब्धता का आकलन करने तथा उन क्षेत्रों की पहचान करने का अवसर मिला, जहाँ प्रशासनिक स्तर पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों एवं कार्यान्वयन एजेंसियों को जनसुनवाई के दौरान उठाई गई समस्याओं पर त्वरित एवं उचित कार्रवाई करने तथा विकास कार्यों एवं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उत्तर व मध्य अण्डमान के उपायुक्त से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ‘संपर्क से समाधान–प्रशासन गाँव की ओर’ पहल जिला प्रशासन की इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि शासन एवं प्रशासन की सेवाओं को आम जनता तक सीधे पहुँचाया जाए, विकास प्रक्रिया में जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए, जनशिकायतों का निर्धारित समय–सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा नागरिकों को प्रभावी एवं सुगम जनसेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। इस पहल का विशेष उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आवश्यकताओं और समस्याओं का उनके निकट पहुँचकर समाधान करना है।



लिए उपयुक्त मंच उपलब्ध होता हैं और वे अपने उत्पादों एवं वस्तुओं की बिक्री कर आर्थिक रूप से सशक्त होते हैं। विभाग ने लोगों से कल 11 अक्टूबर को शाम 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक मरीना पार्क में आयोजित एसएचजी मेले में आने और स्वसहायता समूहों के उत्पादों एवं वस्तुओं को खरीद कर उनकी आर्थिक सहायता करने और उन्हें अपनी आजीविका में सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया है।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशालय श्री विजय पुरम	श्री विजय पुरम, दिनांक 10.10.2026
अधिसूचना निकोबार ज़िले के कार निकोबार द्वीपसमूह से क्लासिकल स्वाइन ज्वर (क्लासिकल स्वाइन फीवर) के प्रकोप की सूचना प्राप्त हुई है। यह सूअरों को प्रभावित करने वाला एक अत्यधिक संक्रामक विषाणुजनित रोग है, जिसके कारण बड़ी संख्या में सूअरों की मृत्यु हो सकती है और आर्थिक नुकसान होता है। चूँकि यह रोग अत्यधिक संक्रामक है, इसलिए राज्य पशु रोग आपातकालीन समिति (एसएडीईसी) ने निवारक उपाय के रूप में संपूर्ण अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सूअरों, सूअर के मांस तथा सूअर के मांस से बने उत्पादों, जिनमें जमे हुए उत्पाद भी शामिल हैं, के परिवहन पर प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की है। अतः राज्य पशु रोग आपातकालीन समिति (एसएडीईसी) द्वारा लिए गए निर्णय के मद्देनज़र, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन तत्काल प्रभाव से सूअरों, सूअर के मांस तथा सूअर के मांस से बने उत्पादों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है। इस प्रतिबंध के अंतर्गत किसी भी जीवित सूअर, सूअर के चारे, सूअर के मांस अथवा सूअर के मांस से बने उत्पाद का समुद्री, सड़क या हवाई मार्ग सहित किसी भी माध्यम से परिवहन नहीं किया जाएगा। सूअरों तथा उनसे संबंधित उत्पादों के परिवहन पर यह प्रतिबंध अगले आदेश तक लागू रहेगा। यह आदेश सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया गया है।	ह. निदेशक (पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा)

कार निकोबार में सूअरों में क्लासिकल स्वाइन फीवर की पुष्टि, सूअरों एवं पोर्क उत्पादों के परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध की सिफारिश

श्री विजय पुरम, 10 अक्टूबर।

आम जनता को सूचित किया जाता है कि निकोबार ज़िले के कार निकोबार द्वीप में सूअरों में क्लासिकल स्वाइन फीवर (सीएसएफ) रोग के प्रकोप की पुष्टि हुई है। क्लासिकल स्वाइन फीवर एक अत्यधिक संक्रामक विषाणुजनित रोग है, जो पालतू सूअरों और जंगली सूअरों को प्रभावित करता है। यह रोग संवेदनशील पशुओं में तेजी से फैलता है और इससे पशुओं की बड़े पैमाने पर मृत्यु हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप सूअर पालकों को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह रोग पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाला रोग नहीं है और इससे मनुष्य संक्रमित नहीं होते हैं।

क्लासिकल स्वाइन फीवर पशुओं में संक्रामक एवं छूत की बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम, 2009 के अंतर्गत अधिसूचित रोग है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

क्या करें	क्या न करें
1. तुरंत सूचना दें: सूअरों में किसी भी संदिग्ध बीमारी, असामान्य रूप से बीमार होने या अचानक मृत्यु होने की स्थिति में तुरंत निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान को सूचित करें।	1. परिवहन पर प्रतिबंध: सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रतिबंध हटाए जाने तक किसी भी परिस्थिति में सूअरों का परिवहन न करें।
2. प्रतिबंधों का पालन करें: अगले आदेश तक सूअरों के परिवहन पर लगाए गए प्रतिबंध का सख्ती से पालन करें।	2. खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध: बीमार सूअरों या संक्रमण से ग्रस्त होने के संदिग्ध सूअरों की बिक्री, खरीद या स्थानांतरण न करें।
3. स्वच्छता बनाए रखें: उचित स्वच्छता बनाए रखें तथा सूअर बाड़ों, उपकरणों और वाहनों की नियमित रूप से सफाई एवं कीटाणुशोधन करें।	3. प्रवेश सीमित रखें: सूअर बाड़ों में अनावश्यक आगंतुकों, व्यापारियों या वाहनों को प्रवेश न करने दें।
4. जैव सुरक्षा सुनिश्चित करें: सूअर पालन स्थलों पर बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश को सीमित करें तथा उचित जैव सुरक्षा उपायों का पालन करें।	4. सुरक्षित निपटान: मृत सूअरों, उनके शवों या पशु अपशिष्ट को खुले स्थानों या जल निकायों में न केंकें।
5. सहयोग करें: रोग निगरानी, जाँच और नियंत्रण संबंधी कार्यों के दौरान पशु चिकित्सा अधिकारियों को सहयोग दें।	5. जानकारी न छिपाएँ: सूअरों में बीमारी के संदिग्ध मामलों या उनकी असामान्य मृत्यु की जानकारी न छिपाएँ।
6. परामर्श का पालन करें: पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा जारी सभी परामर्शों और निर्देशों का पालन करें।	6. निर्देशों की अवहेलना न करें: पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों की अनदेखी न करें और सूअरों का अनधिकृत परिवहन न करें।

सभी सूअर पालकों एवं किसानों से आग्रह किया गया है कि वे सतर्क रहें और अपने सूअर पालन स्थलों पर जैव सुरक्षा के कड़े उपाय अपनाएँ। क्लासिकल स्वाइन ज्वर (क्लासिकल स्वाइन फीवर) का कोई भी संदिग्ध मामला सामने आने पर तुरंत निकटतम पशु चिकित्सा संस्थान को सूचित करें। प्राप्त

राज्य स्तरीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता–2026 में मायाबंदर क्षेत्र के विद्यालय ने जीती ट्रॉफी

श्री विजय पुरम, 10 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के शिक्षा निदेशालय के विज्ञान प्रभाग ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता परिषद की स्वायत्त इकाई, बिड़ला औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी संग्रहालय (बीआईटीएम), कोलकाता के सहयोग से आज टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय (टीजीसीई) के समागार में राज्य स्तरीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता–2026 का आयोजन किया।

इस प्रतियोगिता में केंद्रशासित प्रदेश के सभी नौ शैक्षिक अंचलों की क्षेत्रीय स्तर पर विजेता टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाले विद्यार्थियों ने ‘विज्ञान और समाज’ विषय पर नाटक प्रस्तुत किए। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 70 विद्यार्थियों और 18 अनुसूक्षक शिक्षकों ने भाग लिया। मायाबंदर शैक्षिक अंचल का प्रतिनिधित्व करने वाले राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मायाबंदर ने प्रतियोगिता की ट्रॉफी जीती। इस विद्यालय की टीम का चयन 26 और 27 नवंबर, 2026 को बीआईटीएम, 19ए, गुरु सदन रोड, कोलकाता में आयोजित होने वाली पूर्वी भारत विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में केंद्रशासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया है।

समापन समारोह में श्री ओम प्रकाश, श्री राम प्रवेश तथा

क्लैश ऑफ द टाइटन्स शतरंज चैंपियनशिप का शुभारंभ

श्री विजय पुरम, 10 अक्टूबर। अण्डमान निकोबार शतरंज संघ (एएनसीए) द्वारा आयोजित क्लैश ऑफ द टाइटन्स शतरंज चैंपियनशिप 2026 का शुभारंभ आज हुआ। इस प्रतियोगिता में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 100 शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों ने भाग लिया। दो दिवसीय इस चैंपियनशिप में द्वीपसमूह की उत्कृष्ट शतरंज प्रतिभाएँ प्रतिष्ठित खिलाड़ों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। उद्घाटन समारोह में एएनसीए के अध्यक्ष श्री सी. एस. अशोक के साथ अनुभवी शतरंज खिलाड़ी श्री पी. सुब्रमण्यम



निर्णायकों ने विजेताओं और प्रतिभागियों को ट्रॉफियाँ एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए। उद्घाटन समारोह में शिक्षा निदेशालय के कार्यालय प्रमुख श्री ज्ञान शील दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, समापन समारोह में शिक्षा निदेशालय के उप शिक्षा निदेशक (योजना) श्री ओम प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन उप शिक्षा निदेशक (विज्ञान) कार्यालय के विज्ञान पर्यवेक्षक श्री चंचल सिंघा राँय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



दूसरी समावेशी वार्षिक एथलेटिक प्रतियोगिता 14 अक्टूबर से

श्री विजय पुरम, 10 अक्टूबर।

दक्षिण अण्डमान के खंड परियोजना अधिकारी द्वारा 9 क्लस्टर संसाधन केंद्रों (सीआरसी) के बीच दूसरी समावेशी वार्षिक एथलेटिक प्रतियोगिता–2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह भव्य आयोजन 14 और 15 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 9 बजे से भातृबस्ती विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित होगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के बीच समावेशिता, खेल भावना और शारीरिक विकास को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में 300 विद्यार्थियों के भाग लेने की संभावना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रतियोगिता में दक्षिण अण्डमान क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 9 क्लस्टर संसाधन केंद्रों (सीआरसी) की सक्रिय भागीदारी रहेगी। दक्षिण अण्डमान के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 9 सीआरसी को अपने–अपने विद्यालयों से पात्र विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की अधिकतम

क्र.सं.	वर्ग	कक्षा	द्वैत (बालक एवं बालिकाएं)
1	प्रारंभिक	पुर्बे प्रारंभिक (बालवाटिका 3 वर्ष)	10
		कक्षा 1-2	10
		कक्षा 3-5	10
		कक्षा 6-8	18
2	माध्यमिक	कक्षा 9-12	18
3	सभी के लिए खुला	क) शतरंज	
	क) कैरंज		
	ग) योग विस्मयन		
	घ) योगेश दि बॉल		8

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण अण्डमान क्षेत्र के सभी 9 क्लस्टर संसाधन केंद्रों (सीआरसी) को सूचित किया गया है कि वे पीएसआरटी एवं सीआरसी समन्वयकों के उचित मार्गदर्शन में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभासी) पी. कैरल डी. सोणी

e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग के तीसरे सीजन के लिए 21 देशों से 146 राइडर्स ने कराया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के तीसरे सीजन के लिए 21 देशों के 146 राइडर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें भारत के बेहतरीन सुपरक्रॉस टैलेंट के साथ—साथ कई बड़े इंटरनेशनल राइडर्स भी मुकाबला करेंगे। इस फ्रेंचाइजी—ब्रेस्ड सुपरक्रॉस लीग में चार कैटेगरी के राइडर्स हिस्सा ले रहे हैं। इनमें नई शुरु की गई ‘250सीसी इंडियन फ़्यूचर्स’ कैटेगरी भी शामिल है, जिसका मकसद घरेलू राइडर्स को आगे बढ़ने का एक खास मौका देना है।

भारत से नई शुरु की गई ‘250सीसी – ग्रुप ‘ए’ फॉरेन बाइक्स ओनली दृ इंडियन फ़्यूचर्स’ कैटेगरी और ‘250सीसी इंडिया एशिया मिक्स’ कैटेगरी के लिए कुल 30 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। इंटरनेशनल हिस्सेदारी में फ्रांस सबसे आगे है, जिसके 32 राइडर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया (20 राइडर्स) और अमेरिका (18 राइडर्स) का नंबर आता है। इंडोनेशिया, थाईलैंड, जर्मनी, स्पेन, स्विट्जरलैंड, इटली, जापान, कनाडा, साउथ अफ्रीका, चेक रिपब्लिक, स्वीडन, जिम्बाब्वे, श्रीलंका और मंगोलिया के राइडर्स ने भी रजिस्ट्रेशन कराया है।

इस प्रतियोगिता में ‘450सीसी इंटरनेशनल’ कैटेगरी में 40 राइडर्स, ‘250सीसी इंटरनेशनल’ कैटेगरी में 54 राइडर्स और ‘250सीसी इंडिया एशिया मिक्स’ कैटेगरी में 26 राइडर्स शामिल हैं। ‘450सीसी इंटरनेशनल’ कैटेगरी में कई जाने—माने नाम शामिल हैं, जैसे सीजन 2 के चैंपियन मेट मॉस, जॉर्डी टिकिसयर, जॉन शॉर्ट, एंथनी बॉर्डन, ग्रेगरी अरंडा, रयान ब्रीस, ल्यूक क्लाउट और एंथनी रोड्रिज़।

एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम घोषित, 27 अक्टूबर को भारत—बांग्लादेश मुकाबले से आगाज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (हि.स.)। पुरुषों की हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब—2026 के मैचों का कार्यक्रम शुक्रवार को एशियाई हॉकी महासंघ ने घोषित कर दिया। लीग चरण के मुकाबले 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक जालंधर में होंगे, जबकि सेमीफाइनल और पदक मुकाबले 4 और 5 नवंबर को मोहाली में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के मुकाबले जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 27 अक्टूबर को होगा। इसके तुरंत बाद भारत अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ करेगा।

प्रतियोगिता में भारत, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। सभी छह टीमें लीग चरण में एक—दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। प्रत्येक टीम पांच मुकाबले खेलेगी और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

भारत अपने सभी लीग मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे खेलेगा। भारतीय टीम 27 अक्टूबर को बांग्लादेश, 29 अक्टूबर को चीन, 30 अक्टूबर को जापान, 1 नवंबर को मलेशिया और 2 नवंबर को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी।

बच्चों में तेजी से बढ़ रहा मोटापा, डब्ल्यूएचओ ने जारी की पहली ग्लोबल गाइडलाइन

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (आईएएनएस)। आज के समय में मोटापा सिर्फ बड़ों की समस्या नहीं रह गया है। बच्चों और किशोरों में भी बढ़ता वजन चिंता का विषय बनता जा रहा है। बदलती जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियों की कमी और खानपान की आदतों में बदलाव के बीच बचपन में मोटापे के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसी बढ़ती समस्या को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बच्चों और किशोरों में मोटापे की देखभाल और इलाज को लेकर पहली वैश्विक गाइडलाइन जारी की है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक साल 2024 में दुनियाभर में 5 से 19 साल की उम्र के करीब 17 करोड़ बच्चे और किशोर मोटापे के साथ जी रहे थे। इनमें 5 से 9 साल की उम्र के करीब 7 करोड़ बच्चे और 10 से 19 साल के करीब 10 करोड़ किशोर शामिल थे। चिंता की बात यह है कि इस आयु वर्ग में मोटापे की दर 1990 के बाद से चार गुना बढ़ गई है। उस समय यह दर करीब 2 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 8 फीसदी हो गई।

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि मोटापा एक ऐसी बीमारी है, जो लंबे समय तक बनी रह सकती है और दोबारा भी हो सकती है। इसका असर सिर्फ बच्चे के वजन तक सीमित नहीं रहता। बचपन में मोटापा आगे चलकर टाइप–2 डायबिटीज और हृदय संबंधी बीमारियों समेत कई गैर—संचारी रोगों का खतरा बढ़ा सकता है। इसके अलावा मोटापे से जुड़ा रहे बच्चों को स्कूल या समाज में मजाक, भेदभाव और बुलिंग का सामना भी करना पड़ सकता है,

नासा कम ऊंचाई वाली पृथ्वी की कक्षा में मौजूदगी बनाए रखेगा, निजी कंपनियों के सेंटर का लेगा सहारा

वाशिंगटन, 10 अक्टूबर (हि.स.)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए कम ऊंचाई वाली पृथ्वी की कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट/एलईओ) में अपनी मौजूदगी बनाए रखने का फैसला किया है। इसके लिए वह ऐसे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहा है जहां कम ऊंचाई वाली पृथ्वी की कक्षा में वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन अर्थात निजी अंतरिक्ष स्टेशन (कमर्शियल स्पेस स्टेशन) मुख्य भूमिका निभाएंगे। नासा ने शुक्रवार को अपनी अगली पीढ़ी के कमर्शियल स्पेस स्टेशन के लिए निजी अंतरिक्ष कंपनियों से प्रस्ताव मांगे हैं।

नासा की विज्ञप्ति में अमेरिका के राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन के प्रशासक जेरेड इसाकमैन ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति की राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति के अनुसार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) को वर्ष 2030 के आसपास सेवामुक्त कर दिया जाएगा। इसके बाद नासा खुद का कोई नया स्टेशन बनाने के बजाय निजी कंपनियों के कमर्शियल स्पेस स्टेशनों पर एक ग्राहक के रूप में अपनी उपस्थिति बनाए रखेगा।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के बंद होने के बाद नासा को शोध करने, तकनीक विकसित करने, सदस्यों को प्रशिक्षण देने के साथ चंद्रमा और मंगल ग्रह के मिशन की तैयारी करने के लिए स्टेशन की जरूरत बनी



‘250सीसी इंटरनेशनल’ कैटेगरी में रीड टेलर, केल्विन फॉनविएल, जस्टिन रॉडबेल और निको कोच हिस्सा लेंगे, जबकि ‘इंडिया एशिया मिक्स’ कैटेगरी में विसारुत सलांगम, थनारत पेनजान, एथिसन रुआइ़ओ, नाकामी विडी मकारिम, बेन हॉलग्रेन और मुहम्मद अथर अलघिफारी शामिल हैं।

भारत की चुनौती पेश करने वाले राइडर्स में रुग्देद बरगुजे, प्रज्वल विश्वनाथ, श्लोक घोरपड़े और इक्षन शानभाग जैसे बेहतरीन राइडर्स शामिल हैं। सीजन 2 में आईएसआरएल चैंपियनशिप जीतने वाले मॉस ने कहा कि वह एक और टाइटल के लिए मुकाबला करने को लेकर उत्साहित हैं। रजिस्ट्रेशन अब बंद हो चुके हैं, और लीग अब राइडर ऑक्शन की ओर बढ़ेगी, जहां फ्रेंचाइजी रजिस्टर्ड कॉम्पिटिटर्स के फाइनल पूल से अपनी टीमें चुनेंगी। ऑक्शन से सीजन 3 के लिए टीमों का गठन तय होगा, क्योंकि ओपनिंग राउंड की तैयारियां तेजी से चल रही हैं।—(इनपुट—आईएएनएस)

एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का कार्यक्रम घोषित, 27 अक्टूबर को भारत—बांग्लादेश मुकाबले से आगाज



टूर्नामेंट में 28 अक्टूबर, 31 अक्टूबर और 3 नवंबर को विश्राम दिवस रहेंगे। सेमीफाइनल 4 नवंबर को और कांस्य पदक तथा स्वर्ण पदक के मुकाबले 5 नवंबर को खेले जाएंगे।

भारत इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम है। भारतीय टीम ने 2011, 2016, 2018 (पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता), 2023 और 2024 में खिताब जीता है। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम हाल ही में जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक लगातार दूसरी बार जीतकर लौटी है। वह इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम के रूप में उतरेगी और घरेलू दर्शकों के सामने एक और खिताब जीतने की कोशिश करेगी।

जिसका असर उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

नई गाइडलाइन में डब्ल्यूएचओ ने बच्चों और किशोरों के इलाज में केवल वजन कम करने पर ध्यान देने के बजाय उनकी पूरी सेहत और जीवनशैली को बेहतर बनाने पर जोर दिया है। संगठन ने मोटापे से जुड़ा रहे बच्चों और किशोरों के लिए व्यवस्थित डाइट, नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव से जुड़े उपायों की सलाह दी है।

डब्ल्यूएचओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि छोटे बच्चों के मामले में दवाओं या सर्जरी को सामान्य इलाज के तौर पर नहीं अपनाना चाहिए। 0 से 9 साल के बच्चों के लिए मोटापे के इलाज में दवाओं, बैरियाट्रिक सर्जरी और वजन घटाने वाले उपकरणों की सिफारिश नहीं की गई है। 10 से 19 साल के किशोरों में भी दवाओं पर तभी विचार किया जा सकता है, जब विशेषज्ञों की निगरानी में चलाया गया लाइफस्टाइल कार्यक्रम अपेक्षित परिणाम न दे।

गाइडलाइन में मानसिक स्वास्थ्य को भी नजरअंदाज न करने की बात कही गई है। चिंता, अवसाद, कम आत्मसम्मान और भावनात्मक परेशानियां बच्चों की खान—पान और शारीरिक गतिविधियों की आदतों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए मोटापे के साथ—साथ बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर भी समय रहते ध्यान देना जरूरी है।—आईएएनएस



रहेगी। कमर्शियल स्पेस स्टेशन यह क्षमता प्रदान कर सकते हैं। साथ ही यह स्टेशन अमेरिकी इंडस्ट्री के लिए नए अवसर पैदा कर सकते हैं। नासा को भविष्य के बेहद मुश्किल मिशन पर अपने अधिकतम संसाधन लगाने की सुविधा दे सकते हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में नासा के प्रोजेक्ट इग्निसन के बाद कम ऊंचाई वाली पृथ्वी की कक्षा में एजेंसी की भविष्य की दिशा तय करने के लिए निजी कंपनियों के साथ लगातार बातचीत की है। इसके लिए एजेंसी ने जुलाई में ‘रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल’ का एक ड्राफ्ट भी जारी किया। इस दिशा में प्रयास अच्छे रहे। इससे इच्छुक कंपनियों को योजनाबद्ध अधिग्रहण प्रक्रिया की समीक्षा करने और उस पर टिप्पणी करने का मौका मिला।

एंटी—सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट ‘मंगरोल’ 12 अक्टूबर को नौसेना में होगी शामिल

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (हि.स.)। कोच्चि के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निर्मित तीसरा एंटी—सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट ‘मंगरोल’ 12 अक्टूबर को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े का हिस्सा बन जाएगा। यह जहाज भारतीय नौसेना की एंटी—सबमरीन वारफेयर क्षमताओं को मजबूत करेगा, जहां तटीय पानी में बड़े वॉरशिप को ऑपरेशनल दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके शामिल होने से नौसेना की पोर्ट, हार्बर और तटीय रास्तों की सुरक्षा करने की क्षमता बढ़ने के साथ ही बड़े फ्लीट ऑपरेशन में भी मदद मिलेगी। मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में इस सेरेमनी की अध्यक्षता वेस्टर्न नेवल कमांड के प्लैंग ऑफिसर कमांडिंग—इन—चीफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन करेंगे। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नौसेना और रक्षा अधिकारी, रक्षा मंत्रालय और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधि और देसी हथियार और सेंसर बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। गुजरात के जूनागढ़ जिले के एक तटीय शहर और प्रमुख मछली पकड़ने के बंदरगाह मंग्रोल के नाम पर निर्मित यह जहाज पूर्ववर्ती आईएनएस मंग्रोल (एम—85) की विरासत को आगे बढ़ाता है। जहाज का नामकरण नौसेना की अपने पूर्व युद्धपोतों की विरासत को संरक्षित करने की परंपरा को जारी रखता है। इस जहाज ने 07 अप्रैल 2004 तक भारतीय नौसेना की सेवा की थी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री से बना मंगरोल युद्धपोत डिजाइन, कंस्ट्रक्शन और एडवांसड हथियारों और सेंसर के इंटीग्रेशन में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दिखाता है। सरकार के ‘मेक इन इंडिया’ और ‘आत्मनिर्भर भारत’ पहल के तहत निर्मित यह

अहमदाबाद में 12 अक्टूबर को ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेलों का आयोजन, खेल मंत्री करेंगे उद्घाटन

अहमदाबाद, 10 अक्टूबर (हि.स.)। ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी प्रदर्शन खेल 2026 का आयोजन 12 अक्टूबर को अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया अहमदाबाद के वीर सावरकर खेल परिसर में इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत आयोजित होने वाले इस समारोह में सदस्य और साझेदार देशों के प्रतिनिधिमंडल अपनी पारंपरिक खेल विधाओं और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करेंगे।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार और गुजरात सरकार के सहयोग से आयोजित इस समारोह में गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संचवी, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे और गुजरात के खेल राज्य मंत्री डॉ. जयराम गामित भी उपस्थित रहेंगे।

इस आयोजन का उद्देश्य खेलों के माध्यम से सांस्कृतिक आदान—प्रदान, विरासत संरक्षण और विभिन्न देशों के लोगों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। यह गैर—प्रतिस्पर्धी मंच होगा, जहां पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन, उनका दस्तावेजीकरण और उनसे जुड़ी जानकारी साझा करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें खेलों के सांस्कृतिक महत्व, खिलाड़ियों और खेल परंपराओं से जुड़े लोगों के बीच संवाद तथा ज्ञान के आदान—प्रदान को प्राथमिकता दी जाएगी।

समारोह में बेलारूस की गोरोदकी और बोलीविया की लुचा

नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की न्यायविद नवान्थेम ‘नवी’ पिल्लै को देने की घोषणा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (हि.स.)। नोबेल समिति ने 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की न्यायविद नवान्थेम ‘नवी’ पिल्लै को देने की घोषणा की है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने और युद्ध अपराधों, मानवता के खिलाफ अपराधों तथा नरसंहार के मामलों में दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है। नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अनुसार, नवी पिल्लै ने वैश्विक कानूनी व्यवस्था को अधिक व्यापक और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उनका लंबा करियर सार्वभौमिक कानूनी सिद्धांतों, न्याय और मानव गरिमा के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा है।

नवी पिल्लै का जन्म दक्षिण अफ्रीका के डरबन में रंगभेद के दौर में भारतीय तमिल मूल के एक परिवार में हुआ था। उन्होंने वकालत के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और रंगभेद, नस्लीय भेदभाव, अलगवाव तथा सामाजिक बहिष्कार के खिलाफ काम किया। अपने शुरुआती करियर में उन्होंने नेल्सन मंडेला और रंगभेद का विरोध करने वाले अन्य लोगों का बचाव किया। बाद में उन्होंने कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुकदमों में न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दीं।

नवी पिल्लै दक्षिण अफ्रीका के उच्च न्यायालय, रवांडा के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में न्यायाधीश रह चुकी हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त के रूप में भी काम किया। हाल तक वह अधिकृत फिलिस्तीनी क्षेत्र पर संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच आयोग की अध्यक्ष थीं।

इतिहास के पन्नों में 11 अक्टूबर: 2008 में कश्मीर घाटी में पहली रेलगाड़ी की शुरुआत

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (हि.स.)। 11 अक्टूबर 2008 को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने जम्मू—कश्मीर के नौगांव स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर कश्मीर घाटी की पहली रेलगाड़ी को रवाना किया। यह ऐतिहासिक कदम घाटी को देश के बाकी हिस्सों से रेल मार्ग द्वारा जोड़ने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर था। इस रेल सेवा की शुरुआत से घाटी के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिली और क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिली। भारतीय रेल का यह प्रोजेक्ट देश के सबसे चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग कार्यों में से एक था, जिसमें दुर्गम पहाड़ी इलाकों और कठिन मौसम परिस्थितियों को पार करना शामिल था। महत्वपूर्ण घटनाचक्र—1737 — कलकत्ता (अब कोलकाता) में सबसे खतरनाक चक्रवात तूफान आया। 1869— अमेरिकी उद्योगकर्ता थॉमस एडीसन ने अपनी पहली



जहाज, डिफेंस शिपबिल्डिंग में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। तटीय और उथले पानी में पानी के नीचे के खतरों का पता लगाने और उनका मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किया गया मंगरोल मॉडर्न हथियारों और सेंसर से लैस है, जिसमें अभय हल—माउंटेड सोनार, हल्के टॉरपीडो, एक स्वदेशी एंटी—सबमरीन रॉकेट लॉन्चर और मारीच एडवांसड टॉरपीडो डिफेंस सिस्टम शामिल हैं।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के मुताबिक वाटर जेट प्रोपल्शन वाले तीन डीजल इंजन से चलने वाला यह जहाज उथले पानी में ऑपरेशन के लिए बहुत ज्यादा मैन्यूवरेबिलिटी देता है। यह पानी के नीचे निगरानी, कम इंटेंसिटी वाले समुद्री ऑपरेशन और माइन वारफेयर से जुड़े काम करने में भी सक्षम है। यह जहाज सबमरीन खतरों का पता लगाने और उनका मुकाबला करने के लिए मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट, हेलीकॉप्टर और दूसरे वॉरशिप के साथ काम कर सकता है। बदलते समुद्री सुरक्षा माहौल में पानी के नीचे बढ़ते खतरों के बीच मंगरोल का शामिल होना नौसेना की एंटी—सबमरीन वारफेयर क्षमताओं को मजबूत करने में एक अहम मील का पत्थर है।

अहमदाबाद में 12 अक्टूबर को ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेलों का आयोजन, खेल मंत्री करेंगे उद्घाटन



दे चोलितास, टिकू रायुपला, ट्रॉम्पो, काचिनास तथा बोरी दौड़ जैसी पारंपरिक विधाएं प्रदर्शित की जाएंगी। ब्राजील की स्वदेशी फूक नली विधा, लकड़ी के लह्ठों की दौड़, पैरा—जिउ—जित्सु और कैपेएरा भी आकर्षण का केंद्र होंगी।

चीन की वुशु, शेर नृत्य और स्वास्थ्य संबंधी चीगोंग विधाओं के साथ इथियोपिया की पारंपरिक कुश्ती, गेना और अन्य स्थानीय खेलों का प्रदर्शन होगा। भारत की ओर से मल्लखंब, योगासन और कलारीपयट्टू प्रस्तुत किए जाएंगे। ईरान की जूख्रखानेह, हपत संग और घानियेह, कजाखस्तान की असिक अतु, तोगिजकूमालक और कजाख कुश्ती तथा रूस की गोरोदकी और साम्बो भी आयोजन का हिस्सा होंगी। दक्षिण अफ्रीका की कगाती और इटोंगा तथा संयुक्त अरब अमीरात की अल तब्बाह खेल परंपरा भी प्रदर्शित की जाएंगी।

नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की न्यायविद नवान्थेम ‘नवी’ पिल्लै को देने की घोषणा



वर्तमान में वह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में उस मामले की न्यायाधीश हैं, जिसमें म्यांमार पर नरसंहार का आरोप लगाया गया है।

समिति ने कहा कि नवी पिल्ले ने कई ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय मुकदमों में यह दिखाया है कि कानूनी उपाय युद्ध और हिंसा को रोकने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून से जुड़ी संस्थाओं को मजबूत करने में भी योगदान दिया है। उनकी स्वतंत्रता, विशेषज्ञता और दृढ़ता ने उन्हें आज के समय के सबसे सम्मानित अंतरराष्ट्रीय न्यायविदों में शामिल किया है।

नोबेल शांति पुरस्कार पहली बार 125 साल पहले दिया गया था। उस समय भी नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने अंतरराष्ट्रीय कानून के माध्यम से संघर्षों का समाधान निकालने के महत्व पर जोर दिया था। यह विचार पुरस्कार के इतिहास में लगातार महत्वपूर्ण बना रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं के गठन के साथ, अंतरराष्ट्रीय कानून का दायरा बढ़ा।

आविष्कार पर एक पेटेंट के लिए आवेदन किया। इस इलेक्ट्रिक मशीन का इस्तेमाल वोटों की गिनती के लिए किया गया था। 1881— अमेरिकी आविष्कारक डेविड हेंडरसन हॉस्टन ने कैमरों के पहले रोल फिल्म का पेटेंट कराया। 1932— न्यूयॉर्क में राजनीतिक अभियान के लिए पहला प्रसारण किया गया। 1939— अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने अल्बर्ट आइंस्टीन को पत्र लिखकर अमेरिका के परमाणु कार्यक्रम को तेजीसे विकसित करने का आग्रह किया। 1968— अमेरिका का पहला मानवयुक्त ओपोलो मिशन ‘अपोलो 7’ के प्रक्षेपण का कक्षा से पहली बार टेलीविजन प्रसारण किया गया।

2007— ब्रिटेन के उपन्यासकार डोरिस लैसिंग को वर्ष 2007 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया।

ई—निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल— I, श्री विजयपुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, फरारगंज की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुमवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.—8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते हैं।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी— I/आर आर/ 2026—27 / 133

कार्य का नाम : फरारगंज ग्राम पंचायत के अंतर्गत माइल तिलक में एनएच 4 से नेल्सन एक्का, जगरनाथ राम, पोलकर तिकी, बोनिफस एलेक्सस और लकड़ा प्रकाश के घरों तक सी सी फुटपाथ को सी सी रोड में बदलना।

अनुमानित लागत : रु. 34,25,815 /—, धरोहर राशि : रु. 68,516 /—, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500 /—, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 19 / 10 / 2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट <https://eprocure.andamannicobar.gov.in> से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25132_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल— I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई—निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल— I, श्री विजयपुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, प्रात्रापुर की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुमवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.—8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते हैं।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी— I/आर आर(सीसीए)/ 2026—27 / 138

कार्य का नाम : समिति द्वारा कलिकट वार्ड न. 07 में अली के घर के पास मुख्य सड़क से श्री. यूसूफ के घर तक 200 मीटर लम्बी सी सी रोड की मरम्मत और रखरखाव।

अनुमानित लागत : रु. 12,96,230 /—, धरोहर राशि : रु. 25,925 /—, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500 /—, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 19 / 10 / 2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट <https://eprocure.andamannicobar.gov.in> से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25142_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल— I,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

शपथ पत्र	
मैं, रोशन बीबी, पत्नी ताजिर, निवासी बर्डलाइन, कालीकट गाँव, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, एतद्द्वारा शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ — - कि मैं उपर्युक्त पते की निवासी हूँ। - कि मेरे पिता का नाम मेरे दसवीं एवं बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्रों में गलती से WASIM AHMED के स्थान पर WASI AHMED के रूप में अंकित किया गया है। - कि WASIM AHMED और WASI AHMED एक ही और समान व्यक्ति हैं। - कि मेरे पिता का वास्तविक एवं सही नामWASI AHMED है। - कि मैं इस शपथपत्र की पुष्टि अपने पिता का नाम उपर्युक्त दस्तावेजों में सही करवाने तथा अपने नाम से पासपोर्ट प्राप्त करने के उद्देश्य से कर रही हूँ। मैं अपने पिता का सही एवं उचित नाम WASI AHMED सभी उद्देश्यों के लिए प्रयोग करूंगी। अतः यह शपथपत्र प्रस्तुत किया गया है। - कि उपर्युक्त पैरा 1 से 6 में किए गए सभी कथन मेरे ज्ञान एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं। दिनांक : 8 / 10 / 24 स्थान : श्री विजय पुरम	
शपथकर्ता	

शपथ पत्र	
मैं, निर्मला देवी, स्वर्गीय श्याममल मित्रा की पत्नी, निवासी 45 / 6, एम.ई. रोड, कार्मेल स्कूल के पास, फीनिक्स बे, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह — 744101, एतद्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक प्रतिज्ञा और घोषणा करती हूँ : - कि पासपोर्ट संख्या P0311156 में मेरा नाम गलती से श्याममल निर्मला देवी के स्थान पर दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम निर्मला देवी है, और मेरे पति का नाम भी गलती से श्याममल कुमार मित्रा के स्थान पर दर्ज है, जबकि उनका सही नाम श्याममल मित्रा है। - कि श्याममल निर्मला देवी और निर्मला देवी तथा श्याममल कुमार मित्रा और श्याममल मित्रा दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और ये नाम मेरे और मेरे पति के हैं। - मैं शपथपूर्वक शपथ लेती हूँ कि पासपोर्ट मे मेरा सही नाम निर्मला देवी और मेरे पति का सही नाम श्याममल मित्रा दर्ज किया जाए। उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं। दिनांक : 09.10.2024 स्थान : श्री विजय पुरम	
शपथकर्ता	

भारत की सुपरकंप्यूटिंग क्रांति: ‘विकसित भारत’ के विजन को दे रही नई ताकत

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर।

भारत की सुपरकंप्यूटिंग यात्रा तकनीकी महत्वाकांक्षा, स्वदेशी नवाचार और लगातार किए गए राष्ट्रीय निवेश की कहानी है। 1991 में 1 गीगालॉप की कंप्यूटिंग क्षमता वाले PARAM 8000 के विकास से शुरू हुई यह यात्रा अब ऐसे तंत्र तक पहुंच गई है, जिसमें 40 सुपरकंप्यूटर की कुल क्षमता 68 पेटालॉप है। इस बदलाव में 2015 में शुरू किए गए राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (NSM) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन करीब 4,500 करोड़ रुपये के बजट के साथ उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इसका संचालन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय संयुक्त रूप से कर रहे हैं। मिशन का उद्देश्य उच्च प्रदर्शन वाली कंप्यूटिंग में आत्मनिर्भरता विकसित करना और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सुपरकंप्यूटिंग तंत्र तैयार करना है।

सितंबर 2026 तक भारत में 40 सुपरकंप्यूटर लगाए जा चुके हैं, जिनकी कुल क्षमता 68 पेटालॉप है। इनमें 13 उच्च क्षमता वाले सुपरकंप्यूटर ऐसे हैं, जिनकी क्षमता एक पेटालॉप से अधिक है। 12 प्रणालियों की क्षमता 500 टेरालॉप से एक पेटालॉप के बीच है, जबकि 15 प्रणालियों की क्षमता 500 टेरालॉप से कम है। मिशन का लक्ष्य शैक्षणिक और शोध संस्थानों में 50 सुपरकंप्यूटर स्थापित करना है, जिनकी कुल क्षमता 123 पेटालॉप से अधिक होगी।

सुपरकंप्यूटिंग का महत्व केवल इन आंकड़ों तक सीमित नहीं है। उच्च प्रदर्शन वाली कंप्यूटिंग कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मौसम पूर्वानुमान, जलवायु मॉडलिंग, दवा खोज, जीनोमिक्स, आपदा प्रबंधन, अंतरिक्ष अनुसंधान और उन्नत इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में दुनिया के करीब 20 प्रतिशत डेटा का सृजन होता है, ऐसे में शक्तिशाली कंप्यूटिंग ढांचे तक पहुंच को रणनीतिक जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है।

दसवीं इंडिया मोबाइल कांग्रेस सम्पन्न

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। दसवीं इंडिया मोबाइल कांग्रेस आज सम्पन्न हो गई। चार दिन के इस आयोजन में कई महत्वपूर्ण चर्चाएं, बहुपक्षीय सहयोग और टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन हुआ, जिसने ग्लोबल डिजिटल क्रिएटर के तौर पर भारत की स्थिति को और मजबूत किया। सीमाओं के बिना विस्तार की थीम पर आधारित इस आयोजन के आखिरी दिन, उच्च स्तरीय नीति और मानकीकरण को जमीनी स्तर पर लागू करने पर बल दिया गया। इसमें एपी—फूड सिस्टम में एआई के इस्तेमाल, युवाओं के नेतृत्व में फ्रंटियर रोबोटिक्स, ऑटोनॉमस 5जी एआई एजेंट और लास्ट—माइल डिजिटल डिलीवरी की प्रशासनिक जरूरतों पर ध्यान किया गया।



प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी आईपी और सॉवरेन सेमीकंडक्टर के विज़न के साथ इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन करने से लेकर, संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा ग्लोबल 6जी पेटेंट का 10% हिस्सा हासिल करने के भारत के लक्ष्य पर बल देने तक, इस आयोजन ने देश की टेक्नोलॉजी के उपभोक्ता से ग्लोबल टेलीकॉम स्टैंडर्ड्स के निर्माता बनने की यात्रा को मजबूत किया।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामकृष्ण पी. ने कहा कि इस आयोजन ने यह तय करने के लिए महत्वपूर्ण बेंचमार्क स्थापित किया है कि डिजिटल फोरम किस तरह से असरदार बदलाव लाते हैं। पिछले चार दिनों में इस आयोजन ने दिखाया कि भारत की डिजिटल गाथा अब सिर्फ रोलआउट और विस्तार तक सीमित नहीं है; यह इंटरनेशनल बेंचमार्क तय करने, सॉवरेन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने और मकसद—आधारित इन्वेषण को आगे बढ़ाने के बारे में है। बेहतरीन नवाचार और उद्यमिता में शानदार कार्य के लिए, ‘स्काई एयर मोबिलिटी’ ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में आयोजित ‘स्टार्टअप वर्ल्ड कप इंडिया’ रीजनल स्पर्धा जीती। इस प्रतियोगिता ने ज़्यादा संभावनाओं वाले स्टार्टअप को अपने सॉल्यूशन दिखाने और बड़े निवेश और उद्यमिता इकोसिस्टम से जुड़ने का बेहतरीन मंच दिया।

स्काई एयर मोबिलिटी भारतीय ड्रोन डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स कंपनी है जो हेल्थकेयर, ई—कॉमर्स और खाने—पीने की चीज़ों के लिए तेज़ और ऑटोमैटिक हवाई ट्रांसपोर्ट की सुविधा देती है।



राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत भारत ने सर्वर, सिस्टम सॉटवेयर, तेज़ गति वाले नेटवर्क और कूलिंग तकनीक समेत कई तकनीकों को देश में विकसित किया है। सी—डैक द्वारा डिजाइन और विकसित Rudra सर्वर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आया है। सितंबर 2026 तक PARAM Rudra सुपरकंप्यूटरों में 6,000 Rudra सर्वर लगाए जा चुके हैं, जबकि 1,500 अन्य सर्वर का निर्माण जारी है।

स्वदेशी कंप्यूटिंग क्षमता विकसित करने से महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए विदेशी तकनीकों पर निर्भरता कम करने और भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता मजबूत करने में मदद मिल सकती है। इस तरह आत्मनिर्भरता का दायरा सामान्य विनिर्माण से आगे बढ़कर डिजिटल अर्थव्यवस्था की उन्नत तकनीकों तक पहुंच रहा है।

सुपरकंप्यूटिंग का इस्तेमाल बाढ़ पूर्वानुमान, जंगलों में आग के मॉडल, शहरी प्रदूषण और मौसम पूर्वानुमान, भूकंपीय अध्ययन, जीनोमिक्स और दवा खोज जैसे क्षेत्रों में किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, बाढ़ पूर्वानुमान प्रणाली नदी घाटियों में दो दिन पहले तक बाढ़ की संभावना का अनुमान लगाने में सक्षम है। इससे जान—माल और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में मदद मिल सकती है। राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन ने मानव संसाधन के विकास पर भी ध्यान दिया है।

बदलते युद्ध के दौर में तकनीक, त्वरित निर्णय, आत्मनिर्भरता और सामरिक

जोधपुर, 10 अक्टूबर (हि.स.)। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति के मद्देनजर तकनीकी क्षमता, त्वरित निर्णय और सटीक कार्रवाई को सैन्य ताकत का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने मित्र देशों के साथ रक्षा तकनीक, सह—विकास और सह—उत्पादन के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य की रक्षा साझेदारी में तकनीक और आपसी विश्वास की अहम भूमिका होगी।

श्री राजनाथ सिंह शनिवार को जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय हवाई सैन्य अभ्यास ‘तरंग शक्ति—2026’ के कार्यक्रम में शामिल हुए। सुबह 10.55 बजे वायुसेना स्टेशन पहुंचे रक्षा मंत्री ने भारतीय वायुसेना के जवानों, मित्र देशों के वायुसेना प्रमुखों, सैन्य अधिकारियों, पायलटों और प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की। उन्होंने अभ्यास के सफल आयोजन के लिए भारतीय वायुसेना और इससे जुड़े सभी संस्थानों एवं संगठनों को बधाई दी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास विभिन्न देशों की वायुसेनाओं को एक—दूसरे के अनुभवों, तकनीकों और रणनीतियों को समझने का अवसर देते हैं। इससे आपसी विश्वास बढ़ता है और परिचालन समन्वय मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब युद्ध केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष, साइबर क्षेत्र, विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम और सूचना क्षेत्र भी इसके महत्वपूर्ण हिस्से बन गए

निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने से प्रतिभा पलायन में आई कमी, युवाओं के लिए बढ़े अवसर

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं है। निजी कंपनियां और स्टार्टअप की बढ़ती भागीदारी से देश में युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए रोजगार एवं अनुसंधान के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने से प्रतिभा पलायन को कम करने में मदद मिली है और युवा प्रतिभाओं को देश में रहकर अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल करने का अवसर मिला है।

वाराणसी के रुद्राक्ष इंटरनेशनल कॉऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित नमो बुक फेस्ट में छात्रों से संवाद करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पहले देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में सीमित अवसर होने के कारण कई युवा पेशेवर विदेश में संभावनाएं तलाशते थे। अब निजी कंपनियों और स्टार्टअप के विस्तार से वे भारत में रहकर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने स्कार्ईरूट जैसी निजी अंतरिक्ष कंपनियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन उद्यमों के उभार से युवा इंजीनियरों के लिए रोजगार, अनुसंधान और नवाचार के नए रास्ते खुले हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की वैज्ञानिक शक्ति को मजबूत बनाने के लिए सरकार, उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, “साइलो का युग समाप्त हो गया है।” उनके मुताबिक, विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर तालमेल से ऐसी वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताएं विकसित की जा सकती हैं, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। नमो बुक फेस्ट का आयोजन 7 और 8 अक्टूबर को किया जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन, नेतृत्व और सेवा के विभिन्न पहलुओं पर आधारित पुस्तकों के माध्यम से उनके शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्षों के

आज मनाया जा रहा है अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। हर साल 11 अक्टूबर को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिन बेटियों और किशोरियों के अधिकारों, उनकी शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस दिन का उद्देश्य केवल बालिकाओं का सम्मान करना नहीं, बल्कि उन चुनौतियों पर भी ध्यान आकर्षित करना है जिनका सामना लड़कियां दुनिया के अलग—अलग हिस्सों में करती हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर 2011 को प्रस्ताव के जरिए 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस घोषित किया था। यह दिवस पहली बार 2012 में मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इसका मकसद बालिकाओं के सामने मौजूद चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना और उनके सशक्तीकरण तथा मानवाधिकारों की पूर्ति को बढ़ावा देना है। 2026 की थीम है, “बाल विवाह समाप्त करें और बालिकाओं के अधिकारों में निवेश करें। (End child marriage and invest in girls+ rights)।” यूनिसेफ के अनुसार, इस वर्ष अभियान में बाल विवाह रोकने और लड़कियों के अधिकारों को मजबूत करने के लिए कार्रवाई पर जोर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस हर साल 11 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में सरकारें, सामाजिक संस्थाएं, स्कूल और अन्य संगठन बालिकाओं से जुड़े अधिकारों और मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं। संयुक्त राष्ट्र इसे लड़कियों की आवाज, नेतृत्व और अधिकारों को सामने लाने के लिए एक वैश्विक अवसर के रूप में देखता है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का मुख्य उद्देश्य लड़कियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज का ध्यान उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुिक्षा तथा समान अवसरों की ओर आकर्षित करना है। UNICEF के अनुसार, दुनिया की लाखों लड़कियां आज भी भेदभाव, हिंसा, गरीबी और बाल विवाह जैसी समस्याओं का सामना करती हैं। संगठन के 2026 के अनुसार, दुनिया भर में लगभग हर पांचवीं लड़की का विवाह 18 वर्ष की उम्र से पहले हो चुका है। इसलिए यह दिन बालिकाओं को सुरक्षित बचपन, शिक्षा और अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के अवसर देने की जरूरत को रेखांकित करता है।

बालिकाओं के अधिकारों को वैश्विक स्तर पर विशेष ध्यान दिलाने की दिशा में 1995 का बीजिंग घोषणा और प्लेटफॉर्म फॉर एक्शन भी महत्वपूर्ण पड़ाव है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इसमें पहली बार लड़कियों के अधिकारों

11 अक्टूबर, 2026

साझेदारी जरूरी—रक्षा मंत्री

हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले हथियारों ने युद्ध की प्रकृति और गति को बदल दिया है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में सैन्य ताकत का आकलन केवल हथियारों की संख्या से नहीं होगा, बल्कि दुश्मन की गतिविधियों को समझने, तेजी से निर्णय लेने और सटीक कार्रवाई करने की क्षमता भी निर्णायक होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और तेजी से बदलते भू—राजनीतिक परिदृश्य में प्रत्येक देश के लिए सतर्क रहना जरूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय नीति के रूप में अपनाया है। लंबे समय तक चलने वाले युद्धों की चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वदेशी हथियारों और महत्वपूर्ण तकनीकों के उत्पादन की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के समय सीमित संसाधनों के साथ शुरुआत करने वाली भारतीय वायुसेना आज आधुनिक विमानों, सटीक मारक हथियारों, अत्याधुनिक सेंसर और एकीकृत नेटवर्क से लैस सक्षम सैन्य बल बन चुकी है। तेजस लड़ाकू विमान, ध्रुव और प्रचंड हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, आकाश वायु रक्षा प्रणाली और उन्नत रडार तकनीक भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के प्रमुख उदाहरण हैं।

निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने से प्रतिभा पलायन में आई कमी, युवाओं के लिए बढ़े अवसर



सफर को प्रस्तुत किया जा रहा है। महोत्सव का समन्वय वरिष्ठ पत्रकार अशोक श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में परिचयात्मक संबोधन के बाद छात्रों के साथ करीब एक घंटे तक संवाद और पैनल चर्चा भी हुई।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार करीब 9 अरब अमेरिकी डॉलर हो चुका है। मौजूदा विकास गति जारी रहने पर अगले 8—10 वर्षों में यह बढ़कर 45—46 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने से इस इकोसिस्टम का विस्तार हुआ है। अब सरकारी संस्थानों के साथ निजी कंपनियां और स्टार्टअप भी भारत की अंतरिक्ष यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग अब केवल रॉकेट और उपग्रह प्रक्षेपण तक सीमित नहीं है। इसका इस्तेमाल बुनियादी ढांचे की योजना बनाने, विकास परियोजनाओं की निगरानी करने और आपदा प्रबंधन में भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय उपग्रहों से प्राप्त जानकारी नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों को बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तैयारी करने में भी मदद करती है। इस तरह अंतरिक्ष तकनीक आम लोगों के जीवन को आसान बनाने और आपदाओं से निपटने की क्षमता बढ़ाने में योगदान दे रही है।



को विशेष रूप से रेखांकित किया गया था।

इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर 2011 को रेज्योलूशन 66/170 पारित कर 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस घोषित किया। प्रस्ताव में इस दिन को हर वर्ष मनाने और दुनिया भर में लड़कियों की स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया गया।

बालिका दिवस की 2026 की थीम है, “बाल विवाह समाप्त करें और बालिकाओं के अधिकारों में निवेश करें।” यूनिसेफ के अनुसार, 2026 की थीम लड़कियों और लड़कियों और महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठन के साथ हुए परामर्श से विकसित की गई है। इसका फोकस बाल विवाह की रोकथाम और लड़कियों के अधिकारों में निवेश बढ़ाने पर है।

‘पंढरपुर वारी’ डॉक्यूमेंट्री को एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवॉर्ड्स में भारत का राष्ट्रीय विजेता चुना गया

‘पंढरपुर वारी — इन द फुटस्टेप्स ऑफ द सेंट्स’ डॉक्यूमेंट्री को एशियन एकेडमी क्रिएटिव अवॉर्ड्स 2026 में सर्वश्रेष्ठ ब्रांडेड कार्यक्रम श्रेणी में भारत का राष्ट्रीय विजेता चुना गया है। महाराष्ट्र के सूचना और जनसंपर्क विभाग ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के सहयोग से 22 मिनट की इस अंग्रेजी डॉक्यूमेंट्री का निर्माण किया है। इसमें सदियों पुरानी पंढरपुर तीर्थयात्रा की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दिखाया गया है। डॉक्यूमेंट्री में संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम के भक्ति, समाजता और भाईचारे के संदेशों को भी दर्शाया गया है। इसका प्रसारण डिस्कवरी के अंतरराष्ट्रीय चैनलों पर किया गया है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने डॉक्यूमेंट्री बनाने वाली टीमां को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस सम्मान से पंढरपुर वारी की समृद्ध परंपरा को दुनिया भर में पहचान मिलेगी।